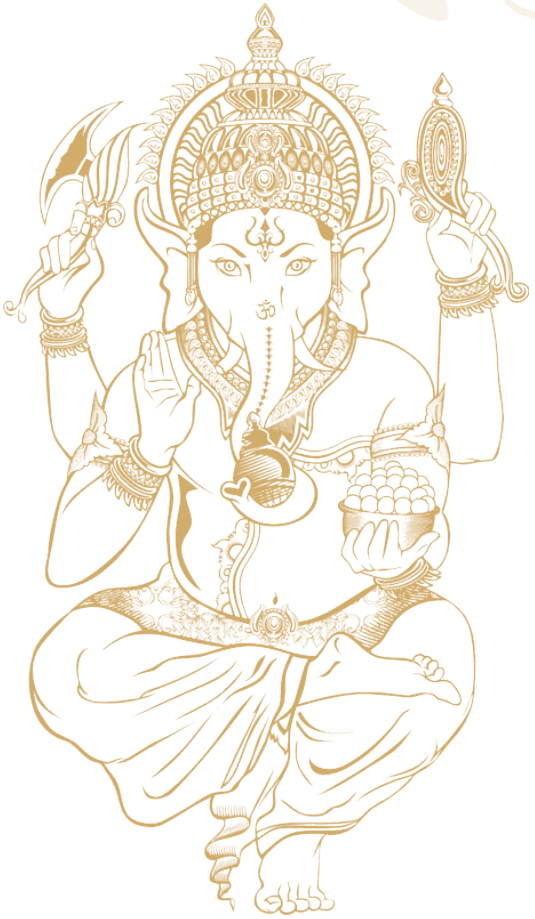

Pallvi Dutta

30 Dec 1998

04:30 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121620306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/12/1998**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:30:00 घंटे**
इष्ट	22:24:00 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:59:28 घंटे
वेलान्तर	-00:02:22 घंटे
साम्पातिक काल	22:34:13 घंटे
सूर्योदय	07:32:23 घंटे
सूर्यास्त	17:33:39 घंटे
दिनमान	10:01:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:41:41 धनु
लग्न के अंश	01:14:15 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:14:15	340:31:51	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			धनु	14:41:41	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	08:23:45	14:45:38	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	23:46:33	00:29:56	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	25:17:53	01:22:11	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	27:52:38	00:08:34	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			धनु	29:36:35	01:15:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि			मेष	02:55:41	00:00:05	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	29:11:59	00:06:34	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	29:11:59	00:06:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:02:14	00:03:05	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:09:48	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	15:13:12	00:02:07	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	12:58:25	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:25

लग्न-चलित

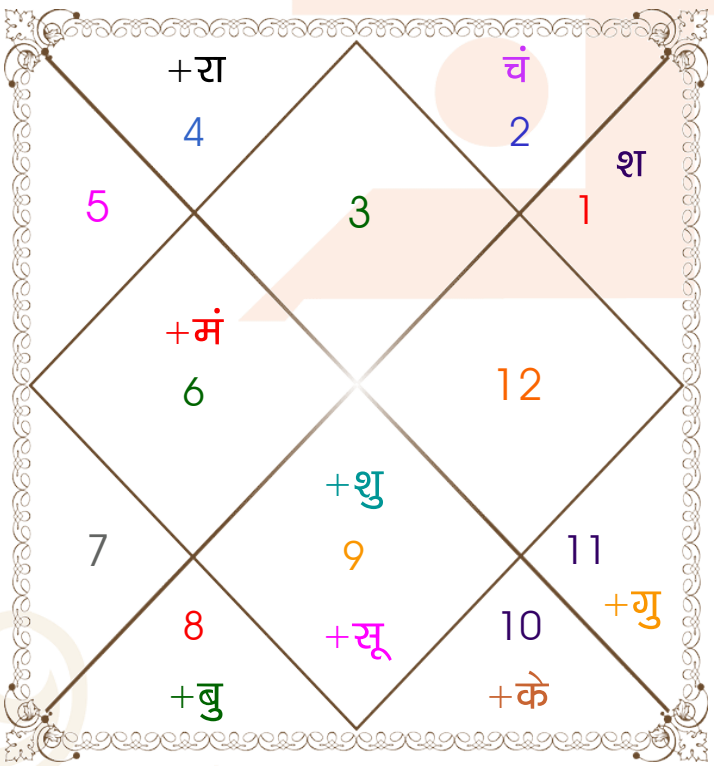

चन्द्र कुंडली

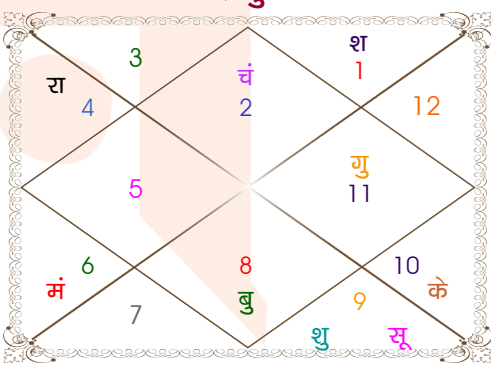

नवमांश कुंडली

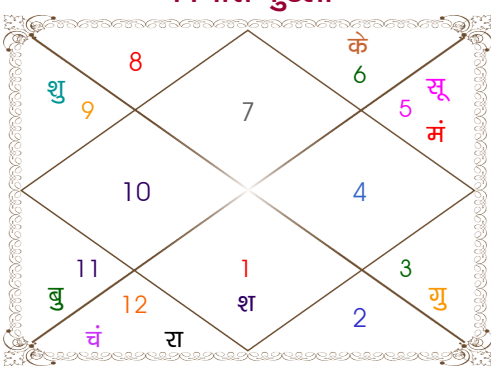

Mahrishi Dadhichi Jyotish Anusandhan Kendra
Whatsapp & phone +919664353859 9460248818
mukeshdadhich980@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 8 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/12/1998		20/09/1999		19/09/2009		19/09/2016		20/09/2034	
20/09/1999		19/09/2009		19/09/2016		20/09/2034		20/09/2050	
	00/00/0000	चंद्र	20/07/2000	मंगल	15/02/2010	राहु	02/06/2019	गुरु	07/11/2036
	00/00/0000	मंगल	18/02/2001	राहु	06/03/2011	गुरु	26/10/2021	शनि	21/05/2039
	00/00/0000	राहु	20/08/2002	गुरु	10/02/2012	शनि	01/09/2024	बुध	26/08/2041
	00/00/0000	गुरु	20/12/2003	शनि	21/03/2013	बुध	21/03/2027	केतु	02/08/2042
	00/00/0000	शनि	20/07/2005	बुध	18/03/2014	केतु	08/04/2028	शुक्र	02/04/2045
	00/00/0000	बुध	20/12/2006	केतु	14/08/2014	शुक्र	08/04/2031	सूर्य	19/01/2046
	00/00/0000	केतु	21/07/2007	शुक्र	14/10/2015	सूर्य	02/03/2032	चंद्र	21/05/2047
	30/12/1998	शुक्र	21/03/2009	सूर्य	19/02/2016	चंद्र	01/09/2033	मंगल	26/04/2048
शुक्र	20/09/1999	सूर्य	19/09/2009	चंद्र	19/09/2016	मंगल	20/09/2034	राहु	20/09/2050

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/09/2050		19/09/2069		20/09/2086		19/09/2093		20/09/2113	
19/09/2069		20/09/2086		19/09/2093		20/09/2113		31/12/2118	
शनि	22/09/2053	बुध	16/02/2072	केतु	16/02/2087	शुक्र	19/01/2097	सूर्य	08/01/2114
बुध	02/06/2056	केतु	12/02/2073	शुक्र	17/04/2088	सूर्य	19/01/2098	चंद्र	10/07/2114
केतु	11/07/2057	शुक्र	14/12/2075	सूर्य	23/08/2088	चंद्र	20/09/2099	मंगल	14/11/2114
शुक्र	10/09/2060	सूर्य	20/10/2076	चंद्र	24/03/2089	मंगल	20/11/2100	राहु	09/10/2115
सूर्य	23/08/2061	चंद्र	21/03/2078	मंगल	20/08/2089	राहु	21/11/2103	गुरु	27/07/2116
चंद्र	24/03/2063	मंगल	18/03/2079	राहु	07/09/2090	गुरु	22/07/2106	शनि	09/07/2117
मंगल	02/05/2064	राहु	05/10/2081	गुरु	14/08/2091	शनि	20/09/2109	बुध	16/05/2118
राहु	09/03/2067	गुरु	10/01/2084	शनि	22/09/2092	बुध	21/07/2112	केतु	21/09/2118
गुरु	19/09/2069	शनि	20/09/2086	बुध	19/09/2093	केतु	20/09/2113	शुक्र	31/12/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 8 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।